गुणवत्ताहीन

नैनपुर नपा की लापरवाही से दो माह से खुदी पड़ी है वार्ड-9 की सड़क, वार्ड वासी हो रहे हलाकान

# भ्रष्टाचार के चलते सीमेंट की जगह रेत-गिट्टी का खेल

**नैनपुर, नवभारत।** नगरपालिका नैनपुर के ठेकेदारों द्वारा निर्माण कार्यों में माप दंडों की धज्जियां उड़ाना अब आम बात हो गई है। ताजा मामला वार्ड क्रमांक 9, काली मंदिर के पीछे का है, जहाँ सड़क निर्माण में भारी अनियमितता और गुणवत्ताहीन सामग्री के उपयोग का आरोप वार्ड वासियों ने लगाया है।

हैरानी की बात तो यह है कि बार-बार की गई शिकायतों के बावजूद नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी और उपयंत्री (सब-इंजीनियर) मौके पर निरीक्षण करने तक नहीं पहुँचे, जिससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

### अधिकारियों की चुप्पी से बढ़ रहा जन आक्रोश

बताया जाता है कि इस मामले को लेकर वार्ड वासियों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि सरकारी पैसे का बंदरबांट किया जा रहा है और जनता की सुविधाओं की बलि चढ़ाई जा रही है। भीषण गर्मी और खुदी हुई सड़कों से उड़ती धूल ने स्थानीय लोगों का जीना मुहाल कर दिया है।

### आधा-अधूरा काम दे रहा हादसों को दावत

वार्ड वासियों ने बताया कि ठेकेदार ने विगत दो माह पूर्व सड़क निर्माण के लिए रास्ता खोद दिया था, जिसे बाद में अधूरा छोड़ दिया गया। खुदी हुई सड़क और बीच में बने गड्ढों के कारण आए दिन राहगीर और वाहन चालक चोटिल हो रहे हैं। दो दिन पूर्व जब काम दोबारा शुरू हुआ, तो ठेकेदार द्वारा बिछाए जा रहे बेस में सीमेंट की मात्रा न के बराबर पाई गई। केवल रेत और गिट्टी को मिक्स कर खानापूर्ति की जा रही है।

### वार्डवासियों ने लगाया मिलीभगत का आरोप

वार्ड वासियों ने सीधे तौर पर आरोप लगाया है कि ठेकेदार और नगर पालिका के उपयंत्री की मिलीभगत से यह भ्रष्टाचार चरम पर है। शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई न होना और घटिया निर्माण पर रोक न लगाना यह दर्शाता है कि भ्रष्टाचार को सरकारी संरक्षण प्राप्त है। लोगों का कहना है कि यदि इसी गुणवत्ता से सड़क बनी, तो यह पहली बारिश भी नहीं झेल पाएगी। वर्तमान में ठेकेदार ने फिर से काम रोक दिया है, जिससे आवाजाही की समस्या जस की तस बनी हुई है।

**इनका कहना है**

मामला मेरे संज्ञान में आया है। ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य में लापरवाही बरती जा रही है। मैंने उपयंत्री को मौका स्थल का निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

**लक्ष्मण सारस, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नैनपुर**

# 50 पेटी बीयर के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

शराब दुकान के गद्दीदार सहित बिहार-झारखंड के आरोपी दबोचे, 10 लाख का मशरूका बरामद

**भुआ बिछिया, नवभारत।** जिले में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण एवं परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिछिया पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब परिवहन के एक मामले का खुलासा किया है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा एवं एसडीओपी सौरव तिवारी के निर्देशन में की गई।

जानकारी के अनुसार थाना बिछिया पुलिस को 9 मई 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की तवेरा वाहन क्रमांक एमपी 20 टी 6561 में अवैध अंग्रेजी शराब बिछिया से मंडला की ओर ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही थाना बिछिया के सामने एनएच-30 पर योजनाबद्ध तरीके से नाकाबंदी की गई। संदिग्ध वाहन को रोककर स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में तलाशी लेने पर वाहन से 50 पेटी बीयर बरामद की गई। प्रत्येक पेटी में 24 केन, 500 एमएल की थी। कुल 1200 केन अर्थात लगभग 600 लीटर बीयर जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 64 हजार 400 रुपए बताई गई है। वाहन में सवार भवानी बरमैया निवासी रंगरेज घाट मंडला एवं सुनील कुमार सिंह निवासी जिला पलामू झारखंड को मौके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने जब आरोपियों से शराब परिवहन संबंधी वैध दस्तावेज मांगे तो वे कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

### 9.64 लाख की जब्ती

पुलिस ने अवैध शराब एवं तवेरा वाहन सहित कुल 9 लाख 64 हजार 400 रुपए की संपत्ति जब्त की है। मामले में थाना बिछिया में धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

### शराब दुकान के गद्दीदार को भी बनाया आरोपी

पूछताछ में आरोपियों ने शराब बिछिया स्थित अंग्रेजी शराब दुकान से लाना स्वीकार किया। इसके आधार पर संबंधित दुकान के गद्दीदार रामाश्रय पांडे निवासी जिला औरंगाबाद बिहार को भी आरोपी बनाकर गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक रंजीत सिंह सैयाम के नेतृत्व में उप निरीक्षक प्रवीण मालवीय, सहायक उपनिरीक्षक सुरेश विजयवार, शिव शंकर राजपूत, प्रधान आरक्षक योगेश सरोते, आरक्षक अमृत मेरावी, अजय झरिया, गजरूप उइके एवं सुनीराम मरावी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

# 114 का हुआ परीक्षण, 28 बच्चे मिले एनआरसी योग्य

कुपोषण के खिलाफ महिला एवं बाल विकास विभाग की मुहिम

**नैनपुर।** महिला एवं बाल विकास परियोजना नैनपुर के तत्वाधान में स्थानीय मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक में 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के बच्चों के स्वास्थ्य की गहन जांच करना, कुपोषण की समय पर पहचान करना और उनके पोषण स्तर के अनुसार उचित चिकित्सकीय उपचार उपलब्ध कराना है। शिविर के दौरान नैनपुर परियोजना के चार प्रमुख सेक्टरों क्रमशः नैनपुर-1, नैनपुर-2, चिरईडोंगरी-2 और जामगांव के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य विभाग और महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त टीम द्वारा कुल 114 बच्चों की जांच की गई। परीक्षण उपरांत 28 बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती करने योग्य पाया। जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 6 गंभीर बच्चों को आज ही पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराया गया।

**अभिभावकों को दी गई समझाइश**-शेष बच्चों के लिए विभाग द्वारा एनआरसी रेफरल कार्ड जारी किए गए हैं। परियोजना अधिकारियों ने बताया कि पलंगों की उपलब्धता अनुसार आगामी दिनों में अन्य बच्चों को भी भर्ती कराया जाएगा। शिविर में उपस्थित अधिकारियों ने अभिभावकों को बच्चों के खान-पान, स्वच्छता और पोषण के महत्व को लेकर विशेष समझाइश दी, ताकि बच्चों को कुपोषण के चक्र से बाहर निकाला जा सके।

# ईवीएम पर विलाप करना विपक्ष की पुरानी आदत : संजय जोशी

बीजेपी की जीत पर बोले भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री

**नैनपुर, नवभारत।** भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संजय जोशी के अल्प प्रवास पर नैनपुर पहुँचने से क्षेत्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते के परिवार में आयोजित शादी समारोह से लौटते समय संजय जोशी जिला मुख्यालय में रुके, जहाँ उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए पश्चिम बंगाल चुनाव और राष्ट्रीय राजनीति पर बड़ा बयान दिया।

संजय जोशी ने पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी के चुनावी परिणामों पर चर्चा करते हुए कहा कि यह जीत भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और नीतियों के प्रति जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने विशेष रूप से बंगाल का जिक्र करते हुए कहा पश्चिम बंगाल में जनता का स्पष्ट जनादेश मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ गया है। जोशी ने यह भी दावा किया कि इतिहास में पहली बार बंगाल का चुनाव अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण रहा और पूर्व की तुलना में दंगा-फसाद की घटनाओं में भारी कमी आई है।

### विपक्ष और ईवीएम के मुद्दे पर घेरा

चुनाव परिणामों के बाद विपक्ष द्वारा ईवीएम पर उठाए जाने वाले सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए संजय जोशी ने कहा कि जब भी विपक्ष चुनाव हारता है, वह अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ने लगता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि चुनाव आयोग की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और जनता का निर्णय ही सर्वोपरि होता है, जिसे विपक्ष को स्वीकार करना चाहिए।

### कार्यकर्ता के रूप में सक्रिय हूं

अपने भविष्य और संगठनात्मक दायित्वों को लेकर पूछे गए सवाल पर जोशी ने बड़ी सहजता से कहा कि वे वर्तमान में भाजपा के एक निष्ठावान कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा की असली ताकत उसकी संगठनात्मक कार्यशैली है और हर कार्यकर्ता का लक्ष्य पार्टी को मजबूत करना होता है। संजय जोशी के इस दौरे को राजनीतिक जानकार आगामी संगठनात्मक गतिविधियों और रणनीतिक बदलावों से जोड़कर देख रहे हैं। इस दौरान स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह नजर आया।

# नर्मदा परिक्रमा पथ की बदहाली से पत्थरों पर नंगे पांव चलने को मजबूर परिक्रमावासी

बड़झर से औढ़ारी के बीच 4 किमी सड़क निर्माण की मांग

**निवास, नवभारत।** प्रदेश सरकार भले ही हर गांव को पक्की सड़क से जोड़ने का दावा करती हो, लेकिन जमीनी हकीकत आज भी दावों से कोसों दूर है। निवास विकासखंड के अंतर्गत मोहगांव ब्लॉक के सिंगारपुर और चकदेही को जोड़ने वाला बड़झर से औढ़ारी मार्ग आज भी अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। लगभग चार किलोमीटर का यह हिस्सा डामरीकरण के अभाव में बड़े-बड़े पत्थरों और बोल्डरों में तब्दील हो चुका है, जिससे न केवल ग्रामीण बल्कि नर्मदा परिक्रमावासी भी भारी कष्ट झेल रहे हैं। यह मार्ग नर्मदा तट के समीप स्थित होने के कारण अत्यंत महत्वपूर्ण नर्मदा परिक्रमा पथ का हिस्सा है। यहाँ से प्रतिदिन दर्जनों परिक्रमावासी गुजरते हैं। आस्था के चलते अधिकतर श्रद्धालु नंगे पैर ही यात्रा पूर्ण करते हैं। ऊबड़-खाबड़ और नुकीले पत्थरों वाले इस रास्ते पर चलने से श्रद्धालुओं के पैर छलनी हो रहे हैं। राहगीरों का कहना है कि यह मार्ग साधना की जगह शारीरिक प्रताड़ना का केंद्र बनता जा रहा है।

### सालों से सिर्फ मिल रहा आश्वासन

क्षेत्रीय ग्रामीण हेमराज मसराम और समाजसेवी पीडी खैरवार ने बताया कि इस सड़क के डामरीकरण के लिए ग्रामीण वर्षों से गुहार लगा रहे हैं। दर्जनों गांवों की आवाजाही इसी व्यस्त मार्ग से होती है, लेकिन प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की अनदेखी के चलते अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन बाद में उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया जाता है।

### जनप्रतिनिधियों पर उठ रहे सवाल

सड़क निर्माण में हो रही देरी से क्षेत्रवासियों में गहरा रोष है। ग्रामीणों का आरोप है कि गुणवत्ताविहीन निर्माण एजेंसियों के कारण कई मार्ग बनते ही उखड़ रहे हैं, जबकि इस महत्वपूर्ण मार्ग पर ध्यान ही नहीं दिया जा रहा है। क्षेत्र के लोगों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि परिक्रमावासियों और आम जनों की सुविधा को देखते हुए इस चार किलोमीटर के टुकड़े का जल्द से जल्द पक्का निर्माण कराया जाए, अन्यथा ग्रामीण उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

# नेशनल लोक अदालत में 197 प्रकरणों का हुआ निराकरण

**मंडला।** नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय मंडला सहित तहसील न्यायालय नैनपुर, निवास एवं बिछिया में किया गया, जिसमें समझौता योग्य प्रकरणों के निराकरण के लिए 17 खंडपीठों का गठन किया गया। लोक अदालत में आपसी सुलह एवं समझौते के आधार पर विभिन्न प्रकरणों का निराकरण किया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री तपन धारगा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रीलिटिगेशन प्रकरणों में बैंक के 27, विद्युत विभाग के 73, नगरपालिका के 68 तथा बीएसएनएल के 13 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इन प्रकरणों में कुल 20 लाख 23 हजार 224 रुपये की वसूली राशि प्राप्त हुई। वहीं न्यायालय में लंबित मामलों में समझौता योग्य आपराधिक मामलों के 35, धारा 138 एनआई एक्ट के 25, एमएसीटी के 15, पारिवारिक विवादों के 16 तथा अन्य सिविल प्रकृति के 16 प्रकरणों का निराकरण किया गया।

# अब महिलाओं के हाथ में होगी स्वाद की कमान

कान्हा के सरही गेट पर आधुनिक कैंटीन का आगाज, ईको पर्यटन बोर्ड के सहयोग से नई पहल

**सरही/मंडला।** कान्हा टाइगर रिजर्व ने वन्यजीव संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय समुदायों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम बढ़ाया है। बताया गया कि उद्यान के सरही गेट पर नवनिर्मित आधुनिक कैंटीन का शुभारंभ किया गया। इस कैंटीन की सबसे खास बात यह है कि इसका पूरा संचालन स्थानीय ग्रामीण महिलाओं के हाथों में सौंपा गया है, जो महिला सशक्तिकरण की एक नई मिसाल पेश कर रहा है।

कैंटीन का उद्घाटन प्रधान मुख्य वन संरक्षक समिता राजोरा एवं अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एल. कृष्णमूर्ति द्वारा रिबन काटकर किया गया। इस अवसर पर कान्हा टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक रविंद्र मणि त्रिपाठी, उप संचालक प्रकाश वर्मा, सुश्री अमिता केबी सहित स्थानीय वन अमला और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। अधिकारियों ने कैंटीन का अवलोकन कर स्व-सहायता समूह की महिलाओं के उत्साह की सराहना की।

**रोजगार के साथ स्वाद का संगम**-इस कैंटीन का संचालन पीपल स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जाएगा। मध्य प्रदेश ईको पर्यटन बोर्ड के सहयोग से शुरू हुई इस पहल से जहाँ पर्यटकों को जंगल की सैर के बीच घर जैसा शुद्ध और स्थानीय भोजन मिलेगा, वहीं ग्रामीण महिलाओं के लिए घर के पास ही सम्मानजनक रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं।

**संवाद से सुलझाई समस्याएं**-उद्घाटन के बाद अधिकारियों ने एक विशेष संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसमें स्थानीय ग्रामवासियों, गाइडों और जिप्सी एसोसिएशन के सदस्यों ने अपनी समस्याएं और सुझाव साझा किए। अधिकारियों ने इन सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए जायज मांगों पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस पहल को पार्क प्रबंधन और स्थानीय समुदाय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में एक सार्थक कदम माना जा रहा है।

# हजरत बाबा चांदशाहवली का शाही संदल आज

**मंडला।** इस वर्ष भी टेकरी वाले हजरत बाबा चाँदशाहवली रहमतुल्लाह अलैह (पोड़ी टेकरी) का उर्स मुबारक अकीदत और एहतराम के साथ मनाया जाएगा। दरगाह कमेटी ने उर्स कार्यक्रमों की घोषणा करते हुए बताया कि आज शाम 4 बजे शाही संदल मड़ई भाटा दरबार से शानो-शौकत के साथ रवाना होगा। यह संदल शहर के विभिन्न मार्गों से गश्त करता हुआ पोड़ी टेकरी स्थित दरगाह शरीफ पहुंचेगा। दरगाह पहुंचने पर ईशा की नमाज के पश्चात दरगाह शरीफ को गुस्ल दिया जाएगा और पारंपरिक चादरपोशी की रस्म अदा की जाएगी। बाबा चाँदशाहवली की दरगाह क्षेत्र में अटूट आस्था का केंद्र है, जहाँ उर्स के मौके पर दूर-दूर से अकीदतमंदों के पहुंचने की संभावना है। आयोजन को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए दरगाह कमेटी द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। दरगाह कमेटी के सदस्यों ने सभी श्रद्धालुओं और बाबा के चाहने वालों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में संदल और उर्स के कार्यक्रमों में शामिल होकर बाबा की दरगाह से फैज व बरकत हासिल करें।

अमानवीयता

भीषण गर्मी में बेघर हुई बेबस मां और विकलांग पति, काम पर जाते ही नपा ने ध्वस्त कर दी झोपड़ी

# रसूखदारों की कार पार्किंग के लिए उजाड़ दिया गरीब का आशियाना

**मंडला।** नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जहाँ एक ओर सरकार सबको आवास मुहैया करा रही है, वहीं दूसरी ओर जिला मुख्यालय के गायत्री मंदिर के समीप नगर पालिका के अमले ने एक गरीब परिवार की झोपड़ी को मलबे में तब्दील कर दिया। आरोप है कि यह कार्रवाई किसी जनहित के लिए नहीं, बल्कि रसूखदारों की कारें खड़ी करने के लिए जगह बनाने हेतु की गई है।

पीड़ित महिला ने बिलखते हुए बताया कि वह अपने विकलांग पति और दो छोटे-छोटे बच्चों के साथ उस सरकारी भूमि पर झोपड़ी बनाकर रह रही थी। पीड़ित महिला ने बताया कि जैसे ही वह मजदूरी करने घर से बाहर गई, पीछे से नगर पालिका का दस्ता पहुंचा और आनन-फानन में उसकी झोपड़ी ध्वस्त कर दी। हैरानी की बात यह है कि 40-45 डिग्री तापमान के बीच कार्रवाई करते समय अधिकारियों को उन छोटे मासूम बच्चों और लाचार विकलांग व्यक्ति की हालत पर भी तरस नहीं आया।

### रसूखदारों को खुश करने चढ़ा दी गई गरीब की बलि

पीड़ित महिला का आरोप बेहद गंभीर है। उसका कहना है कि जिस स्थान पर वह वर्षों से रह रही थी, वहां कुछ रसूखदार अपनी कार खड़ी करना चाहते हैं। उन्हीं चहेतों को फायदा पहुंचाने के लिए नगर पालिका ने एक झटके में एक गरीब का सिर से साया छीन लिया। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि यदि भूमि सरकारी थी और अतिक्रमण हटाना ही था, तो आसपास के अन्य बड़े कब्जों पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई? केवल एक गरीब और लाचार परिवार को ही निशाना क्यों बनाया गया?

### भीषण गर्मी में अब कहां जाए परिवार

झोपड़ी टूटने के बाद गृहस्थी का सामान सड़कों पर बिखरा पड़ा है। तपती दुपहरी में खुले आसमान के नीचे बैठे बच्चों और विकलांग पति की तस्वीरें नगर पालिका की संवेदनहीनता की कहानी बयां कर रही है। यह घटना प्रशासन की उस मानसिकता को दर्शाती है जहां नियम केवल कमजोरों के लिए होते हैं और रसूखदारों के ऐशो-आराम के लिए गरीबों की बलि चढ़ा दी जाती है।

### न्याय दिलाने की मांग

अब देखना यह होगा कि क्या जिला प्रशासन इस मामले में हस्तक्षेप कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाता है या फिर यह परिवार इस भीषण गर्मी में दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर रहेगा। आमजन अब सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से इन किस्मत के मारों का साथ देने की अपील कर रहे हैं।